Seat No. : _____

TO-117

M.A. (Sem.-I)
May-2013

Hindi (402)

भाषा विज्ञान

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

1. (अ) भाषा की परिभाषा देते हुए भाषा परिवर्तन के प्रमुख कारण बताइए । 10

अथवा

भाषा विज्ञान की उपयोगिता बताते हुए भाषा विज्ञान के अध्ययन क्षेत्र (प्रमुख शाखाएँ) बताइए ।

(ब) किसी **एक** पर लिखिए : 4

(1) भाषा परिवर्तन की दिशाएँ ।

(2) भाषा के तीन पक्ष ।

(3) भाषा विज्ञान और व्याकरण ।

2. (अ) 'वागवयव स्वन के उच्चारण का आधार है ।' इस कथन के आधार पर वागवयव के कार्य बताइए । 10

अथवा

स्थान और प्रयत्न के आधार पर स्वनों का वर्गीकरण कीजिए ।

(ब) किसी **एक** पर लिखिए : 4

(1) प्राणत्व के आधार पर व्यंजन के भेद ।

(2) स्वनिम-निर्धारण ।

(3) स्वनिम के भेद ।

3. (अ) रूप-परिवर्तन के कारण और दिशाएँ सोदाहरण बनाइए । 10

अथवा

रूपिम की अवधारणा स्पष्ट करते हुए रूपिम के भेद बताइए ।

(ब) किसी **एक** पर लिखिए : 4

(1) शब्द एवं पद ।

(2) संबंधदर्शी रूपिम के प्रकार ।

(3) रूप-प्रक्रिया का स्वरूप ।

4. (अ) वाक्य की अवधारणा स्पष्ट करते हुए वाक्य के अनिवार्य तत्त्व बताइए । 10

अथवा

वाक्य-परिवर्तन के कारणों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

(ब) किसी **एक** पर लिखिए : 4

(1) आकृति के आधार पर वाक्य के भेद ।

(2) रचना के आधार पर वाक्य के भेद ।

(3) अन्विताभिधानवाद और अभिहितान्वयवाद में अंतर ।

5. सूचनानुसार उत्तर लिखिए : 14

(अ) योग्य विकल्प चनुकर वाक्य पुन: लिखिए :

(1) भाषा का यह गुण मानवीय भाषा को अन्य ध्वनियों या मानवेत्तर प्राणियों से अलग करता है ।

(भाषा व्यवहार, अभिलक्षण, भाषा-परिवर्तन)

(2) भाषा विज्ञान की किस शाखा में भाषा का कालक्रम के अनुसार अध्ययन होता है ?

(वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक)

(3) 'एटम' के लिए 'परमाणु' और 'वेपर' के लिए 'वाष्प' किस प्रकार के भाषा-वैज्ञानिक कारण हैं ?

(भौगोलिक, वैज्ञानिक, आर्थिक)

(4) स्वनिम की सत्ता इस प्रकार की होती है ।

(मानसिक, भौतिक, शारीरिक)

(5) स्वनविज्ञान में इसका अध्ययन होता है ।

(स्वर व्यंजन, वाक्-स्वन, कोई भी ध्वनि)

(6) 'वृत्ताकार' और 'अवृत्ताकार' स्वर किस आधार पर होते हैं ?

(ओठों की स्थिति, जिह्वा की स्थिति, कंठ का स्थान)

(7) दीर्घ स्वर 'ऊ' के उच्चारण के समय ओठों का आकार कैसा होता है ?

(वृत्त, संवृत्त, विवृत्त)

(8) शब्दों की रचना प्रक्रिया का अध्ययन इसमें किया जाता है ।

(कोश विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान)

(9) 'उद्देश्य' और 'विधेय' का इसमें महत्त्व होता है ।

(वाक्य विज्ञान, ध्वनि विज्ञान, अर्थ विज्ञान)

(10) भाषा के एक कालबिन्दु की समस्त भाषावैज्ञानिक इकाइयों का इसमें विश्लेषण किया जाता है ।

(वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, तुलनात्मक भाषाविज्ञान)

(ब) 'अ' से 'ब' के योग्य जोड़ मिलाइए :

	'अ'		'ब'
(1)	पद	(1)	पदग्राम, रूपग्राम
(2)	जिह्वा	(2)	मुहावरे
(3)	रूपिम	(3)	शब्द का विशिष्ट व्याकरणिक रूप
(4)	क्रिया विहीन वाक्य	(4)	उच्चारण क्रिया का सर्वाधिक सक्रिय अवयव